डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www awajdarpan.com पर पढ़ें

साप्ताहिक

# आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४७ अंक ११ रविवार ०५ मार्च से ११ मार्च २०२३ मूल्य तीन-रुपये

## ना काहू सों दोस्ती

### प्रशासन के मन मां कछु विवेक पसरल

तीन दिवसीय बस्ती महोत्सव प्रशासन के देख रेख मां तीन,चार,पांच मार्च कों सम्पन्न भइल। बाहर से तमाम कलाकार अच्छे खासे मेहनताना पर बोलावल गइलैं। ठीकै भइल। एही के साथें स्थानीय कलाकारन कें भी सम्मान देवे के चाहत रहल। ओन्हें तौ लिखा पढ़ी मा बेगार मां बोलावै कै औपचारिकता पूरी कइ गइल। **"जे स्थानीय कलाकार निःशुल्क अपने कला कै प्रदर्शन करै के चाहें ओनकर स्वागत बा।"** बिरोध के बाद स्थानीय कलाकारन के भी अंगवस्त्र दैके सम्मानित कइल गइल। **देर से ही सही प्रशासन कै कछु विवेक पसरल। बधाई।**

बस्ती महोत्सव कबहुं मना ला कबहुं नाही। गोरखपुर से अलग होइकै पांच मई १८६५ के बस्ती अलग जिला बनल रहल। फिर बस्ती बनल मण्डल मुख्यालय। सिद्धार्थनगर अउर संत कबीर नगर दुई जिला अलग बनि गइलैं। बस्ती महोत्सव हर साल पांच मई के ओकरे स्थापना दिवस पर मनावल जाय तौ एक इतिहास बनत। अलग-अलग तारीख पर बस्ती महोत्सव मनावे के कारण इतिहास कै रुप नाही मिलि पावत बा। एहि साल तौ बस्ती महोत्सव मार्च मां मनि गइल। **अगले साल से यानि २०२४ से पांच मई के बस्ती के स्थापना दिवस पर मनावल जाय तौ बेहतर होई अउर इतिहास के सजोंवल जा सकेला। निस्संदेह बस्ती महोत्सव पांच मई के मनै।**

- दिनेश सांकृत्यायन

# बस्ती महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही

-आवाज भारती संवाददाता-

**बस्ती। बस्ती महोत्सव का शुभारंभ स्कूली बच्चों की प्रतियोगिताओं से किया गया। स्वागत गीत जवाहर नवोदय विद्यालय की छात्रा खुशी यादव, रिया त्रिपाठी, मानसी सिंह, महक पांडे, अंजली यादव, रिया भारती, श्रेया द्विवेदी, अनवेषा चौधरी ने प्रस्तुत किया। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्रा गरिमा, श्रृष्टि श्रीवास्तव, निशा भारती, माही भारद्वाज, सुस्मिता, रानी, अमृता सागर ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। महिला महाविद्यालय की छात्रा मुस्कान भारती ने गीत प्रस्तुत किया।**

इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय की छात्रा अविशी सिंह, आस्था पाण्डेय, उजमा करीम, प्रियांशी यादव, साक्षी, प्रांजलि, यादवेन्द्र यादव, अर्थ श्रीवास्तव, गौरव विज ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं जया मिश्रा, महिमा मिश्रा, दीपिका गुप्ता, सोनम गुप्ता, रानी आस्था, हर्षिता, श्वेता तिवारी द्वारा समूह नृत्य

प्रस्तुत किया गया। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर रामबाग की छात्राओं वैष्णवी पांडे, रंजना यादव, दिशा श्रीवास्तव, तनीषा कसौधन, अवंतिका मिश्र, अंशिका सिंह द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया ।

इस अवसर पर सेण्ट जेबियर्स अभर्व शुक्ला ने हनुमान चालिसा का पाठ किया। इसी विद्यालय की तनिष्का ने शिव तांड्व नृत्य प्रस्तुत किया। कपिल गंगा पब्लिक स्कूल की छात्राओं महक सोनी, खुशी मिश्रा, सृष्टि सोनी, प्रिया प्रजापति, सोनाक्षी, शांभवी, आराध्या, आलिया द्वारा नशा मुक्ति पर नाटक प्रस्तुत किया गया। संयुक्त विद्यालय बैरीखाला की छात्राओं मानसी, नजमा, साहिबा, आसमा, संजू गौड़, अंकिता, कुमकुम, महक द्वारा यूपी बिहार में प्रचलित होली गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। जीवन ट्रेनिंग स्कूल के अभिषेक ने एकल गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर पीजीपी संगीत सेवा संस्थान की छात्राओं सोनी सोनकर, मुस्कान, राशिका, सोनी, ज्योति, अध्ययन कुमार, संजय कुमार, सूरज, रामकुमार द्वारा राम कथा नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया गया। संस्कार भारती के पुष्प, लता मिश्रा, पूर्णिमा तिवारी, लता सिंह, सरिता शुक्ला, ललिता श्रीवास्तव, दुर्गेश्वरी द्वारा कृष्ण भजन होली गीत प्रस्तुत किया गया। आन्या पब्लिक स्कूल की एंजेल शिवम, अंकिता, शिवानी माल्या, रुद्र, आयुष् रौनक, आदर्श, रितिका, वैभव द्वारा अनेकता में एकता राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर जागरण पब्लिक स्कूल के नितिन शुक्ला, अरेयम पांडे, मोहम्मद हसन खान, कुणाल शुक्ला, सैफ अंसारी, अबू शहद, मोहम्मद कैफ, रवि अग्रहरि, अमित कुमार, अमन सिद्दीकी, नितिन पांडेय, समीर, अमन साहू, प्रियांशु सोनी ने डांस करते हुए पिरामिड भी बनाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को नायब तहसीलदार बीर बहादुर सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डा. सर्वेष्ट मिश्र, आशीष श्रीवास्तव एवं राजेश मिश्रा ने किया।

महोत्सव में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, पंचायतीराज, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, ग्रामीण आजीविका मिशन शहरी तथा ग्रामीण, जिला कार्यक्रम, पशुपालन विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आरसेटी, होरा मोटर्स सहित बैंकिंग संस्थान तथा खादी ग्रामोद्योग से जुड़े समूहों की आकर्षक प्रदर्शनियों का अवलोकन आम जनमानस द्वारा किया जा रहा है।

# आवश्यकता पडी तो, किसी भी घटना में सख्ती से निपटेगा प्रशासन- मण्डलायुक्त

-आवाज भारती संवाददाता-

**बस्ती। त्यौहारों के दौरान अराजकता किसी स्तर पर बर्दाश्त नही की जायेंगी। प्रशासन किसी भी घटना से सख्ती से निपटेंगा। इस दौरान निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्यवाही होंगी तथा किसी को भी कानून से खिलवाड़ नही करने दिया जायेंगा।**

उक्त निर्देश मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने अधिकारियों को दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होने कहा कि नयी परम्परा की शुरूआत न हों। उप जिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ

**नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करें, लोगों से सम्वाद स्थापित करे तथा प्रशासन के प्रति उनमें विश्वास पैदा करें।**

उन्होने कहा कि होली, शब-ए-बारात, नवरोज, नवरात्रि तथा रमजान का महीना इस माह में शुरू हो रहा है। अधिकारी सुनिश्चित करें कि स्थानीय धर्म गुरूओं से नियमित संवाद बनाये रखें। उन्होने विशेष रूप से जुलूस के रूट का निरीक्षण करने के लिए एसडीएम तथा सीओ को निर्देशित किया है। पीडब्ल्यूडी, विद्युत, आबकारी, नगर पंचायत, खाद्य सुरक्षा तथा अन्य विभागीय अधिकारी उनके साथ में रहेंगे। ढीले तारों को विद्युत विभाग तत्काल ठीक करेंगा, रास्तें में कही गड्ढा होगा तो पीडब्ल्यूडी या नगर पंचायत उसे ठीक करायेंगे। उन्होने कहा कि कानून व्यवस्था टीमवर्क का कार्य है। नगरीय क्षेत्र में नगरपंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत साफ-सफाई एवं जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

उन्होने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सुनिश्चित करें कि सभी सीएचसी/पीएचसी पर डाक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ ड्यिूटी पर मौजूद रहे। एंबुलेन्स तैयार रहे तथा स्थानीय प्रशासन के सम्पर्क में रहें। विशेष रूप से स्वास्थ्य, विद्युत, नगरपंचायत के अधिकारी-कर्मचारी का फोन नम्बर एसडीएम तथा सीओ के पास अवश्य रहें। विद्युत विभाग एक कंट्रोल रूप स्थापित करे। आईजी आर.के. भारद्वाज ने कहा कि प्रत्येक होलिका दहन स्थल पर पुलिस, होमगार्ड, चौकीदार के साथ ही मुहल्ला कमेटी के सदस्य की ड्यिूटी लगा दें।`

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।

– *बालसोम गौतम*

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 **R.N.I.** 40367/84

साप्ताहिक
**आवाज दर्पण**
प्रत्येक रविवार

## चुनाव आयोग के गठन का प्रश्न

सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ ने समय पर सही निर्णय लिया है कि भारत का चुनाव आयोग आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिये प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपिक्ष मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की समिति सलाह देगी तब की जा सकेगी चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति। अपने फैसले में संविधान पीठ ने चुनाव आयुक्तों की स्वतंत्रता, धन बल के बढ़ते प्रभाव और राजनीति में अपराधीकरण जैसे मसलों पर भी टिप्पणी की। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि धनबल और राजनीति में अपराधीकरण ने अपना दायरा बढ़ा लिया है। न्यायालय ने अपने निर्णय में समाचार माध्यमों की भूमिका पर भी टिप्पणी किया है। न्यायालय ने स्पष्ट माना कि किसी मौजूदा नियम के तहत नियुक्तियों में कार्यपालिका की पूर्ण भूमिका का स्थायीकरण नहीं किया जा सकता है। ऐसे में सत्ता में रहने वाली पार्टी के पास एक भ्रष्ट आयोग के माध्यम से सत्ता में बने रहने के मौके तलाशेगी, ऐसा संभव है। चुनाव आयोग को स्वतंत्र होना ही चाहिए। वह स्वतंत्र होने का दावा करते हुए अनुचित तरीके से कार्य नहीं कर सकता।

न्यायालय के इस आदेश के बाद सबसे बड़ा प्रश्न ये खड़ा हो रहा है कि आखिर निर्णय को इतना अहम् क्यों माना जाय ? इससे चुनावी प्रक्रिया पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? क्या सरकार न्यायालय के इस फैसले को चुनौती दे सकती है ? ये फैसला कब से लागू किया जा सकता है ? पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रहृय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार भी शामिल थे। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला सर्वसम्मत से सुनाया है। **अब तक चुनाव के दौरान नेताओं, उम्मीदवारों पर कई तरह के आरोप लगते रहे हैं। मामले भी दर्ज होते हैं और चुनाव आयोग में शिकायतें भी होती हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाती। अब इस फैसले से एक नया और निष्पक्ष वातावरण पैदा होगा।**

अभी चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति की ओर से की जाती है। आमतौर पर देखा गया है कि इस सिफारिश को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल ही जाती है। यही कारण है चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर तमाम प्रश्न उठते ही रहे हैं। चुनाव आयुक्त का एक तय कार्यकाल होता है, जिसमें ६ वर्ष या फिर उनकी उम्र (जो भी ज्यादा हो) को देखते हुए सेवा निवृत्ति का प्राविधान है। चुनाव आयुक्त के तौर पर कोई सेवानिवृत्ति की अधिकतम उम्र ६५ वर्ष निर्धारित की गई है। सेवा निवृत्ति और कार्यकाल पूरा होने के अतिरिक्त चुनाव आयुक्त कार्यकाल से पहले भी त्यागपत्र दे सकते हैं और उन्हें हटाया भी जा सकता है। उन्हें हटाने की शक्ति संसद के पास है। भले ही चुनाव आयोग को स्वतंत्र कहा जाता है लेकिन हमेशा सत्ता पक्ष के दबाम में काम करने का आरोप भी लगता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद चुनाव आयोग के पास विशेष शक्ति भी आ गई है और निष्पक्षता का वातावरण बना है। ऐसे में आयोग स्वतंत्र होकर राजनीतिक दलों और नेताओं पर कार्रवाई कर पाएगा। इस फैसले के बाद सरकार और विपक्ष का रुख महत्वपूर्ण होग कि वे सही दिशा में काम करने में क्या कुछ कर पाते है ?

**– दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

# निजी आक्षेपों से उलझ कर रह गये योगी,अखिलेश

**–अजय कुमार–**

**योगी ने कहा कि यूपी को पीछे ले जाने के लिए जानबूझकर यह सब किया जा रहा है। जैसे ही इन्वेस्टर्स समिट के लिए सरकार ने कोशिश शुरू की। पूरे देश और दुनिया के अंदर, हमारे मंत्रियों की टीम जाने लगी, रोड शो किए गए तो सपा ने एक नया शिगूफा छोड़ने का प्रयास किया।**

**सदन को निजी आक्षेपों का अखाड़ा ना बनाओ**–समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार के खिलाफ विचारों की लड़ाई की बजाए इसे लगातार व्यक्तिगत 'दुश्मनी' का रूप देते जा रहे हैं। अखिलेश कभी योगी के गेरूआ वस्ध्त्रों पर तंज कसते हैं तो कभी भरी विधानसभा में उनके (योगी) खेल ज्ञान की खिल्ली उड़ाते हैं। चुनावी सभाओं में योगी को वापस मठ भेज देने का दंभ भरते हैं। अखिलेश ने योगी पर व्यक्तिगत हमले का सिलसिला पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान शुरू किया था जो लगातार तीखा होता जा रहा है, जबकि विधानसभा चुनाव में अखिलेश को योगी के सामने बुरी तरह से हार का मुंह देखना पड़ा था। बीजेपी ने 2022 का विधानसभा चुनाव योगी का चेहरा आगे करके लड़ा था जबकि सपा का चेहरा अखिलेश यादव बने हुए थे। इसीलिए उम्मीद तो यही की जा रही थी कि सपा प्रमख जब चुनाव नतीजों की समीक्षा करेंगे तो अपनी राजनीति में कुछ बदलाव लायेंगे। उनकी तरफ से योगी पर व्यक्तिगत हमले कम हो जायेंगे। परंतु अखिलेश ने इससे कोई सबक नहीं लिया है जैसे–जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आता जा रहा है, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव आक्रामक होते जा रहे हैं। बीजेपी 2024 का लोकसभा चुनाव भी मोदी के चेहरे पर ही लड़ रही है, लेकिन अखिलेश हैं कि मोदी से अधिक योगी के प्रति हमलावर हैं। हो सकता है उन्हें लगता हो कि अगले वर्ष लोकसभा चुनाव में यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर सपा की स्थिति मजबूत हो इसके लिए योगी का कमजोर होना जरूरी होगा। इसीलिए वह योगी पर व्यक्तिगत रूप से मोर्चा खोले हुए हैं। सपा प्रमुख सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ पर निशाना साध रहे हैं। उनकी यह रणनीति कितनी कारगर होगी, यह तो चुनाव परिणामों से पता चलेगा। **लेकिन अगर इतिहास को देखा जाये तो जब भी विपक्षी नेताओं ने योगी–मोदी पर व्यक्तिगत हमले किए हैं, तो उसका उसे चुनावों में फायदा नहीं मिला है।**

**राफेल कितना बन सका राजनीतिक मुद्दा**– कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में राफेल सौदे को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की थी और उन्होंने राफेल सौदे में भ्रष्टाचार को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश की। इस रणनीति के तहत वह बार–बार 'चौकीदार चोर है' का बयान देते रहते थे। हालांकि इसका कांग्रेस को चुनावों में कोई फायदा नहीं मिला और उसके केवल 52 सीटें मिलीं। जबकि भाजपा का आकंड़ा 300 को पार कर गया था। इसी प्रकार 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश ने योगी पर व्यक्तिगत प्रहार किया था और नतीजा सबके सामने है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को मोदी–योगी के अलावा कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा है। यही नजारा उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भी देखने को मिला। यूपी विधानसभा बजट सत्र 2023 के दौरान सदन का माहौल योगी–अखिलेश के आपसी विवाद के चलते एकदम से गरम हो गया। बजट सत्र पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पहले तो योगी के खेल की काबलियत पर संदेह जताया तो उसके बाद बसपा विधायक राजू पाल की 2005 में हुई हत्या के एक गवाह उमेश पाल की भी 23 फरवरी 2023 को हत्या होने पर बवाल काटा। राजू पाल की हत्या के आरोपी पूर्व सांसद और बाहुबली अतीक अहमद और उसका भाई पूर्व विधायक अशरफ हैं, जिनको सपा समय–समय पर संरक्षण देती रही है। इसीलिए जब उमेश पाल की हत्या को लेकर सपा ने राज्यपाल का बहिष्कार किया तो सीएम योगी तमतमा उठे। उन्होंने भरे सदन में सपा के साथ अखिलेश यादव को तीखे तेवर में खरी–खोटी सुना दी। एक तरफ अतीक अहमद को पनाह देने का आरोप सपा पर लगाया। **वहीं दूसरी तरफ सपा को जिन्ना से जोड़ दिया। साथ ही कहा कि शक्ति देना आसान है, लेकिन बुद्धि देना कठिन होता है।**

सपा ने जिन्ना का महिमा मण्डन कर कुछ ेड़ा नहीं – योगी आदित्यनाथ यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया। तब सपा जिन्ना का महिमामंडन कर रही थी। इनको पता ही नहीं, एक तरफ 31 अक्टूबर की तिथि एकता दिवस के रूप में मनाया गया। केवड़िया में सबसे बड़ी प्रतिमा लगी है, वहां कार्यक्रम हो रहे थे। एक तरफ सरदार पटेल भारत की एकता के शिल्पी, हम उन्हें सम्मान देने का काम कर रहे थे, सपा जिन्ना की आरती उतार रही थी। इन्हें राष्ट्र को जोड़ने और तोड़ने वाले में अंतर पता नहीं। इसीलिए मैंने कहा कि शक्ति देना सरल है, बुद्धि देना कठिन है। साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव को पिता से विरासत में मिली सत्ता को लेकर भी करार जवाब दिया। सीएम योगी उनके भाषण के बीच टोके जाने से गुस्सा हो उठे। इसके बाद उन्होंने अतीक अहमद को लेकर अखिलेश और सपा को घेर लिया। सीएम योगी ने कहा कि माफिया अतीक अहमद को सपा सरकार ने ही विधायक बनाया। उन्हीं के सहयोग से एमपी–एमएलए बना। योगी ने कहा कि प्रयागराज की घटना पर सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के आधार पर काम कर रही है। आखिर में उन्होंने कहा कि हम उस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।

योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि सपा का एक नेता आज संत तुलसीदास के खिलाफ अभियान चला रहा है। मानस जैसे पावन ग्रंथ को जगह–जगह अपमानित करने का प्रयास कर रहा है। ये चौपाई है कहां पर? सुंदरकांड में ये प्रसंग तब आता है, जब राम तीन दिन तक समुद्र से लंका में जाने का रास्ता मांगते हैं और रास्ता नहीं मिला तो पहली चौपाई तो पहले ही बता दी थी। जब उन्होंने कहा था कि भय बिन होई न प्रीत। जब राम तीर का संधान करके समुद्र के सामने खड़ा होते हैं तो समुद्र जो कहता है, यह वही पंक्ति है। मर्यादा प्रभु तुम्हरि कीन्हीं। ये सीख से है। शिक्षा से है। शुरू में मैंने यही बात कही कि बुद्धि विरासत से नहीं मिलती। ढोल एक वाद्य यंत्र है। शूद्र का मतलब श्रमिक वर्ग से है। बाबा साहेब भी इस बात को कह चुके हैं कि दलित को शूद्र न कहो। आपने अंबेडकर के साथ क्या किया। आपने उनके नाम से बनी संस्थाओं के नाम बदल दिए। आपने कहा कि उनके नाम से बनी संस्थाओं की जगह पर मैरेज हॉल खोल देंगे। नारी का मतलब स्त्री से है। मध्यकाल में महिलाओं की स्थिति क्या थी? किसी से छिपा नहीं है। बाल विवाह जैसी विकृतियां भी तभी पनपी थीं। जैसी अराजकता थी, उसको ध्यान में रखकर, आखिर विरोधी दल से जुड़े सपा से कहना चाहता हूं कि उसे इस बात पर गर्व होना चाहिए कि यह राम की धरती है, गंगा की धरती है, जिस धरती पर रामचरितमानस जैसे पवित्र ग्रंथ रचे गए वहां मानस जलाकर 100 करोड़ हिंदुओं को अपमानित नहीं कर रहे हैं। इस अराजकता को कैसे स्वीकार कर सकते हैं। योगी बोले, 'जाकि प्रभु दारुण दुख दीन्हा, ताकि मति पहलि... विरासत में नहीं मिली, जो बची खुची थी, वो भी नहीं रही। अटल जी ने कहा था, हिंदू तन–मन हिंदू जीवन हिंदू कहने में शरमाते, घोर पतन है, अपनी मां को मां कहने में फटती छाती। जिसने रक्त पिलाकर पाला, क्षण भर उसका भेष निहारो। उसकी सूनी मांग निहारो। **जब तक दुशासन है, बेड़ी कैसे बंध पाएगी। कोटि–कोटि संतति है, मां की लाज न लुट पाएगी।**

**उ.प्र. को पीछे ले जाने का उपकम**– योगी ने कहा कि यूपी को पीछे ले जाने के लिए जानबूझकर यह सब किया जा रहा है। जैसे ही इन्वेस्टर्स समिट के लिए सरकार ने कोशिश शुरू की। पूरे देश और दुनिया के अंदर, हमारे मंत्रियों की टीम जाने लगी, रोड शो किए गए तो सपा ने एक नया शिगूफा छोड़ने का प्रयास किया।

# शारदा नहर का माइनर कटा, 500 बीघे से अधिक का फसल जलमग्न

**संवाददाता–अयोध्या। जिले में नहर कटने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। माया बाजार के राजापुर ग्राम पंचायत के बाद शनिवार को मसौधा ब्लाक के सरियांवा ग्राम पंचायत के रंजीत का पुरवा में शारदा नहर का माइनर कट गया। इससे सौकड़ों किसानों की फसल पानी में डूब गई। खास बात यह है शिकायत के सात घंटे बाद भी सिंचाई विभाग के कर्मचारी नहर के कटाने को बांधने के लिए पहुंचे। किसानों में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि चार साल से प्रतिवर्ष नहर कट रहा है, जिसके चलते राशन खरीदना पड़ रहा है। सरियांवा ग्राम पंचायत के पास शारदा नहर के माइनर है।**

सुबह करीब पांच बजे माइनर पानी के तेज दबाव के चलते एक मीटर से अधिक कट गया। देखते ही देखते सौकड़ों एकड़ खेतों में नहर का पानी भर गया। नहर कटने से सबसे अधिक नुकसान रंजीत का पुरवा गांव के निवासियों का हुआ है। गांव के अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि नहर कटने से गांव के करीब 70 किसानों के 500 बीघे से अधिक की फसल पानी में डूब गई है। ग्रामीणों ने बताया कि नहर कटने के तुरंत बाद सिंचाई विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। सूचना के करीब सात घंटे बाद कर्मचारी मौके पर पहुंचे। हालांकि खबर लिखे जाने तक पानी बंद नहीं हुआ था। ग्रामीणों और किसानों ने पानी को बंद करने का प्रयास किया, लेकिन पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण वे असलफ रहे। अरुण कुमार पांडे ने बताया कि माइनर साफ कराने के लिए एक माह से सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कहा जा रहा है। **लेकिन बार– बार कहने के बावजूद भी अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। गांव के किसान इंद्रजीत ने बताया कि यह स्थित हर साल की है। विभाग की लापरवाही के चलते हर साल यहां माइनर कट जाता है, और सौकड़ों बिघे फसल बर्बाद हो जाती है।**

नहर कटने से सबसे अधिक नुकसान गेहूं की फसल को हुआ है। रामखेलावन की एक एकड़ फसल नहर के पानी में डूब गई है। उन्होंने बताया कि गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू हो गया था, अत्याधिक पानी और तेज धूप के चलते फसल खराब होने की संभावना है। इसी प्रकार चार सौ बीघे से अधिक गेहूं की फसल नहर के पानी में डूब गया है। ऐसे में यहां के किसान काफी निराश है। लक्ष्मीकांत ने बताया कि खेतों में पानी भरने से गेहूं के साथ सरसो, आलू, टमाटर व हरी सब्जियों के फसलों का नुकसान हुआ है। फसलों का नुकसान होने के चलते किसानों में सिंचाई विभाग के प्रति काफी आक्रोश है। सिंचाई विभाग के जेई अजय पाल ने बताया कि माइनर के कटान को बंद कराने का काम चल रहा है। साइफन में कूड़ा फंस जाने के चलते पानी ओवर फ्लो हो जाता है। जिससे कटान होने लगती है। माइनर को साफ कराने के लिए कोई सूचना पहले से नहीं थी।

# करणी सेना भारत ने किया संगठन का विस्तार

संवाददाता–अयोध्या। करणी सेना भारत के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनी सिंह और संगठन के पदाधिकारियों के साथ कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान करणी सेना भारत के संगठन पदाधिकारियों की नियुक्त की गईं। 3 पदों पर नियुक्ति की गयी। भूतपूर्व सैनिक हरीश सिंह फौजी को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। मनीष सिंह को गोसाईगंज विधानसभा के अध्यक्ष और अवधेन्द्र प्रताप सिंह (बबलू) को जिला उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति किया गया। सनी सिंह ने बताया कि संगठन के लोगों की नियुक्ति प्रदान की गई है। हमारा उद्देश्य यह है कि हम राष्ट्र और समाज की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि हम यही चाहते हैं, कि अपने पदों की गरिमा बनाए रखकर, समाज के सभी हर वर्गो को अपने साथ ले चलें, तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद पर भूतपूर्व सैनिक हरीश सिंह फौजी ने बताया कि जिस तरह से हमने अपने देश की सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। उसी तरह करणी सेना के साथ जोड़कर अपने कर्तव्यों का पालन करूंगा।

करणी सेना भारत के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सनी सिंह ने नवनिर्वाचित संगठन के पदाधिकारियों को लड्डू और माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया । इस मौके पर प्रदेश महामंत्री राजन सिंह, जिला प्रभारी संतोष सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष तारुन मनोज सिंह, मित्रसेन सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष संदीप सिंह, प्रदेश संयोजक अखिलेंद्र सिंह बिसेन, जिला महामंत्री रवि सिंह बंटी लोग उपस्थित रहे।

# 2 साल पहले बिक चुकी दुकान पर 55 लाख कर्जा किसके बल बूते पर

**संवाददाता–गोरखपुर। एक पति–पत्नी की जालसाजी का मामला सामने आया है। दोनों ने शहर के बलदेव प्लाजा में स्थित दुकान पर पहले 55 लाख रुपए का लोन करा लिया। इसके दो महीने के बाद इस दुकान को बेच दी। हालांकि, दुकान का कुछ हिस्सा पहले भी दोनों ने बेच दिया था। लेकिन, हैरानी वाली बात ये है कि लोन पास करने से पहले बैंक के लीगल एडवोकेट ने भी लोन की फाइल जांच की, लेकिन वह कोई गड़बड़ी पकड़ नहीं सके। एडवोकेट की रिपोर्ट पर बैंक ऑफ बड़ौदा तारामंडल ब्रांच ने 55 लाख रुपए लोन भी दे दिया। साल 2018 में लोन पास होने के बाद अब जब बैंक को इसकी जानकारी हुई तो बैंक अधिकारियों के होश उड़ गए।**

बैंक ने दोबारा एडवोकेट से कागजातों की जांच कराई। जिसमें पाया गया कि जिस दुकान पर लोन लिया गया है, वह साल 2016 में ही बिक चुका है। इसके बाद बैंक मैनेजर जयप्रकाश कुमार की तहरीर पर रामगढ़ताल पुलिस ने पति–पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। बैंक ऑफ बड़ौदा तारामंडल ब्रांच के मैनेजर जयप्रकाश कुमार ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि रामगढ़ताल इलाके के आजाद चौक के रहने वाले राजन कुमार वर्मा जोकि शाश्वत इंटरप्राइजेज के प्रोपराइट हैं, ने अपनी पत्नी मनीषा वर्मा के नाम बैंक में लोन अप्लाई किया था। दोनों ने बैंक में गारंटी के तौर पर बलदेव प्लाजा स्थित 352 स्क्वॉयर फुट की एक दुकान दिखाई। जोकि, मनीषा वर्मा के नाम से थी।

इसके बाद बैंक ने लोन की प्रक्रिया पूरी करते हुए बैंक के तत्कालीन लीगल एडवोकेट अंबरीश पांडेय को दुकान की जांच करने को दिया। लेकिन, उस वक्त एडवोकेट की लीगल रिपोर्ट में किसी तरह की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई। एडवोकेट की लीगल रिपोर्ट की संस्तुति और बाकी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बैंक ने 23 मार्च 2018 को आवेदक का 55 लाख रुपए का सीसी लिमिट लोन स्वीकृत कर दिया। इसके बाद बैंक लोन के सालाना पोर्टफोलियो जांच में पाया गया कि शाश्वत इंटरप्राइजेज की गिरवी रखी संपत्ति में कुछ गड़बड़ियां हैं। इसके बाद एक बार फिर बैंक ने इसकी जांच अपने लीगल एडवोकेट राजेश्वर तिवारी से धकराई। जांच में सामने आया कि जिस दुकान को बैंक में गिरवी रखा गया है, उसे पति–पत्नी ने 2016 में ही बेचा जा चुका है। एडवोकेट की लीगल रिपोर्ट में फजीवाड़े की पुष्टि होने के बाद अब बैंक मैनेजर ने पति–पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर रामगढ़ताल सुधीर सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी पति–पत्नी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# सरकार ने घोषित किया गेहूं का समर्थन मूल्य

**लखनऊ (आभा)। योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा गेहूं खरीद वर्ष 2023–24 के लिए गेहूं का समर्थन घोषित कर दिया गया है। 2125 रुपये प्रति कुन्तल की दर से आगामी एक अप्रैल से 15 जून तक गेहूं की सरकारी खरीद की जाएगी। पिछले वर्ष 2015 रुपये प्रति कुंतल के हिसाब से खरीद हुई थी। इस बार सरकार ने 110 रुपये समर्थन मूल्य बढ़ा दिया है। लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए पहली मार्च से पंजीयन प्रारम्भ किया जा चुका है।**

यह जानकारी अपर खाद्य आयुक्त अनिल कुमार ने देते हुए बताया कि किसानों को गेहूं के मूल्य का भुगतान उनके आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा। किसानों को गेहूँ विक्रय के पूर्व किसी भी जनसुविधा केन्द्र, साइबर कैफे से खाद्य विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि किसानों को अपनी आधार संख्या, आधार कार्ड में अंकित अपना नाम आदि सही अंकित करना होगा।

अपर खाद्य आयुक्त ने बताया कि कम्प्यूटराइज्ड खतौनी का खाता संख्या पंजीयन में दर्ज कर अपने कुल रकबे एवं बोये गये गेहूँ के और अन्य फसल के रकबे को अंकित करना होगा। संयुक्त भूमि की दशा में अपनी हिस्सेदारी की सही घोषणा पंजीयन में करनी होगी। किसान का आधार से जुड़ा होना एवं बैंक द्वारा पोर्टल पर मैप और सक्रिय होना जरूरी है। बैंक खाता सक्रिय होने के लिए आवश्यक है कि बैंक खाते में पिछले तीन महीने में लेन–देन किया गया हो। अनिल कुमार ने बताया कि गेहूँ बिक्री के लिए ओटीपी आधारित पंजीकरण की व्यवस्था है। **उन्होंने किसानों से अपील की है कि पंजीकरण के लिए वर्तमान मोबाइल नम्बर ही अंकित कराएं। बिक्री के समय क्रय केन्द्रों पर किसान के स्वयं उपस्थित न होने पर पंजीकरण प्रपत्र में परिवार के नामित सदस्य का विवरण एवं आधार नम्बर फीड कराना अनिवार्य है।**

# आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की दी धमकी, विरोध करने पर कर दी हत्या

**संवाददाता–महराजगंज।** भिटौली थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव में आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी का विरोध करने पर आरोपियों ने शुक्रवार को पीड़ित व्यक्ति की पहले बेरहमी से पिटाई कर घायल कर दिया। पुलिस की उदासीनता का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने अस्पताल से इलाज कराकर घर आए पीड़ित व्यक्ति की शनिवार सुबह गला घोंटकर हत्या कर दी। आक्रोशित मृत व्यक्ति के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक आवास पहुंच हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामें के बाद जिम्मेदार पुलिसकर्मियों की नींद खुली तो आनन फानन मामले में पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ संबिधित धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक, बरियारपुर गांव के रघु गुप्ता (55) के घर से संबंधित शुक्रवार को एक युवक ने आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। उसके बाद वायरल करने की धमकी देने लगा। जिसका विरोध करने पर आरोपी युवक ने परिजनों के साथ मिलकर रघु की बेरहमी से पिटाई कर दिया। जिस दौरान रघु गंभीर रूप से घायल हो गए।

मारपीट की सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस ग्रामीणों की सहयोग से एक आरोपी बृजेश को पकड़ कर थाने ले आई। घायल रघु को परिजन जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर हालत गंभीर होते देख चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज से देर रात घायल रघु इलाज कराकर घर लौटे। परिजन आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर भिटौली थाने पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित परिवार को आश्वासन देते हुए आरोपियों को छोड़ दिया। आरोपी पुनः परिजनों के साथ मिल शनिवार सुबह दरवाजे पर पशु को चारा डालने के दौरान रघु की गला घोंटकर हत्या कर दी। मृत रघु के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना को लेकर ग्रामीणों में आरोपियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में मृत रघु की पत्नी गंगोत्री देवी की तहरीर पर पांच नामजद आरोपी बृजेश, नन्दू, मनीषा, चंद्रवाती, मनीषा बृजेश के खिलाफ संबिधित धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

# बदमाशों ने युवक को मारी गोली, बाइक से घर लौट रहे थे मान सिंह

**संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र के डोहरिया मोड़ के पास बाइक सवार युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी सहजनवां लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजने की तैयारी चल रही है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है।** सहजनवां थाना क्षेत्र के सुरगहना निवासी 32 वर्षीय मान सिंह यादव पुत्र रामकरन यादव शनिवार को दोपहर करीब साढ़े बारह बजे के आसपास गांव से सहजनवां आने के लिए बाइक से निकला था। अभी मान सिंह सहजनवां थाना क्षेत्र के डोहरिया कला मोड़ पर पहुंचा ही था कि पहले से घात लगाए बदमाश युवक पर गोली चला दिए। बाएं पैर के जंघे में गोली लगते ही युवक बाइक से नीचे गिर गया। राहगीरों ने तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवां पहुंचाया, जहां युवक का प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि जांच हो रही है। जल्द ही आरोपित गिरफ्तार किए जाएंगे। घायल युवक का गांव पर ही अपनी बिरादरी के लोगों से विवाद चला आ रहा है। युवक का आरोप है कि गोली मारने के आरोपित एक माह पहले गोली मारने की धमकी दिए थे। इसके अलावा तीन दिन पहले फेसबुक पेज पर गोली मारने की ध मकी आरोपित ने दिया था।

गोली लगने से घायल मान सिंह यादव के परिवार की युवती का प्रेम संबंध बगल में ही बिरादरी के एक युवक से चला रहा है। करीब दो वर्ष पूर्व युवती प्रेमी के साथ भाग गई थी जिसको लेकर दोनों परिवारों में मारपीट भी हुई थी। आरोप है कि कुछ दिन पहले फिर युवती घर से नकदी और जेवर लेकर युवक से साथ भाग गई है।

# पांच दिन से लापता दुकानदार का बोरे में मिला शव, हैवानों ने निकाल ली थी दोनों आंखें

**संवाददाता–देवरिया। जिले में रामलक्षन के रहने वाले एक सब्जी विक्रेता की बोरे में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। उसका शव गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बाकी पुल के नीचे शनिवार की दोपहर में मिला। वह 28 फरवरी से लापता चल रहा था। युवक की दोनों आंखे धारदार हथियार से निकाल लिए गए थे। युवक का चेहरा अधजला मिला। घटना के पीछे आशनाई बताई जा रही है। युवक 28 फरवरी की रात घर से रात में करीब 11 बजे निकलते समय सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है।**

रुद्रपुर और गौरीबाजार पुलिस घटना की जांच में जुटी है। रामलक्षन के लक्ष्मीपुर निवासी नूर मोहम्मद 28 वर्ष चौराहे पर अपनी मां फातिमा के साथ सब्जी की दुकान लगाता था। उसके पिता अली मोहम्मद की पांच साल पहले ही मौत हो चुकी है। दो बड़े भाई अनवर अली और शराफत अली विदेश में रहते है। परिजनों के अनुसार 28 फरवरी की रात घर से बिना किसी को बताए निकल गया। घर के सामने लगे सीसीटीवी में वह अकेले मोबाइल पर बात करते हुए निकलते दिखाई दे रहा है।

परिजनों ने युवक के गायब होने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। शनिवार की दोपहर लोगों ने गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बाकी नाला के पुल के नीचे एक बोरी में लाश देखा। पुलिस ने बोरी में शव देख कर पहचान कराने का प्रयास किया। घर वालों ने पहुंच कर शव की पहचान की। युवक की दोनों आंखे निकाली गई थी। ज्वलनशील पदार्थ से शव को जलाने का भी प्रयास किया गया था। घर वाले किसी से दुश्मनी से इंकार कर रहे है। लोग आशनाई में हत्या होने की आशंका जता रहे है। सीओ पंचम लाल ने कहा कि शव का पोस्टमार्टम कराने को भेजा गया है। हत्या के कारण का पुलिस पता लगाने में जुटी है।

बोरे में नूर मोहम्मद की लाश मिलने की खबर सुन मां फातिमा बेहाल हो गई। वह दहाड़े मार कर रोने लगीं। दो बेटों के विदेश रहने पर मां अपने छोटे बेटे नूर मोहम्मद के साथ ही रहती हैं। मां और बेटे चौराहे पर सब्जी बेच कर घर गृहस्थी चला रहे थे। दुलारे बेटे को खोकर मां बेजार होकर रोने लगीं। मां की हृद्य विदारक चीख सुनकर लोगों की आंखे भर आईं। हर कोई हत्या का कारण जानने को परेशान दिखा।

# धन्नीपुर मस्जिद निर्माण का रास्ता साफ

**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ने मस्जिद निर्माण के लिए जमीन का लैंड यूज बदल दिया है। अब नक्शा पास होते ही मस्जिद का निर्माण शुरू हो सकेगा।

09 नवंबर 2019 को राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों को अयोध्या से 25 किमी दूर धनीपुर में 5 एकड़ जमीन मस्जिद निर्माण के लिए दी गई थी। रिकॉर्ड में यह कृषि भूमि होने के कारण इस पर बिना लैंड यूज बदले निर्माण नहीं हो सकता था। नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया कि एडीए बोर्ड ने कृषि भूमि के यूज को चेंज कर मस्जिद निर्माण की अनुमति दी है। इसके बाद मस्जिद निर्माण का नक्शा स्वीकृत हो जाएगा। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन के सदस्य अरशद अफजाल खान बताते हैं कि मस्जिद निर्माण की स्वीकृति विकास प्राधिकरण ने दे दिया है। लैंड के यूज को चेंज करते हुए मानचित्र को स्वीकार किया गया है। हालांकि अभी भी कुछ सरकारी खानापूर्ति बाकी हैं। लेकिन सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नक्शा मिल जाएगा। रमजान के बाद ट्रस्ट की बैठक होगी। इसमें मस्जिद निर्माण संबंधित अंतिम फैसले लिए जाएंगे। अरशद अफजाल खान ने बताया कि हमने 26 जनवरी 2021 को मस्जिद की नींव रखी है। इस दिन को मस्जिद की नींव रखने के लिए इसलिए चुना, क्योंकि इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। हमारा संविधान बहुलवाद पर आधारित है, जो हमारी मस्जिद परियोजना का मूलमंत्र भी है। उन्होंने कहा कि नई मस्जिद बाबरी मस्जिद से बड़ी होगी, लेकिन उस संरचना की तरह नहीं होगी जो कभी अयोध्या में खड़ी थी। बीच में अस्पताल बनेगा। इस्लाम की सच्ची भावना में मानवता की सेवा करेगा। अस्पताल सामान्य कंक्रीट का ढांचा नहीं होगा। बल्कि सुलेख और इस्लामी प्रतीकों से परिपूर्ण मस्जिद की वास्तुकला के अनुरूप होगा।

अरशद अफजाल खान ने बताया कि यह परियोजना इस्लाम की सच्ची भावना पर दुनिया के लिए एक खिड़की खोलेगी। जो मानवता की सेवा का उपदेश देती है। जबकि अस्पताल मे बीमार और कमजोर लोगों का इलाज होगा। सामुदायिक रसोई धर्म, जाति और पंथ की बाधाओं से परे भूखों को खाना खिलाएगी। साइट पर ग्रीन बेल्ट जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता पैदा करेगा और केंद्र स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमानों के योगदान और हिंदू–मुस्लिम भाईचारे की विरासत पर शोध करेगा। जिसने भारत को स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद की। सबसे पहला और सबसे आखिरी, यह भूमि सर्वशक्तिमान ईश्वर के सामने झुकने का स्थान होगी। 9 नवंबर 2019, सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद विवाद पर आखिरी फैसला सुनाया। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन दी गई। मस्जिद निर्माण के लिए सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश से चंदा आया। ट्रस्ट ने ये रकम गिनी तो हिंदू–मुस्लिम सौहार्द की एक नई तस्वीर सामने आई। मस्जिद बनाने के लिए अब तक मिले कुल दान का 40ः हिस्सा हिंदुओं ने दिया है।

# पुण्य तिथि पर याद किये गये फिराक गोरखपुरी

–आवाज भारती संवाददाता–

**बस्ती । 'हो जिन्हें शक, वो करें और खुदाओं की तलाश, हम तो इंसान को दुनिया का खुदा कहते हैं '। 'एक मुद्दत से तेरी याद भी न आई हमें, और हम भूल गए हों तुझे ऐसा भी नहीं, जैसी शायरी करने वाले अजीम शायर और लेखक फिराक गोरखपुरी जिनका असली नाम रघुपति सहाय था को उनके 41 वें पुण्य तिथि पर याद किया गया। शुक्रवार को प्रेमचन्द साहित्य एवं जन कल्याण संस्थान द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला की अध यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं के फिराक गोरखपुरी के जीवन और साहित्य से जुड़े अनेक सन्दर्भों पर विमर्श किया।**

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने फिराक गोरखपुरी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वे बीसवीं सदी की उर्दू शायरी के सबसे बड़े हस्ताक्षरों में एक थे। वे जितनी अपनी शायरी के लिए जाने जाते हैं उतने ही उनकी जिंदगी से जुड़े किस्से भी मशहूर हैं। उनका जन्म 28 अगस्त सन् 1896 में गोरखपुर में हुआ था और तीन मार्च 1982 में मृत्यु हो गई थी। 'पाल ले एक रोग नादां जिंदगी के वास्ते, सिर्फ सेहत के सहारे जिंदगी कटती नहीं.' जैसे शेर आज भी लोगों की जुबा पर आ ही जाते हैं। विशिष्ट अतिथि वी.एन. शुक्ल और सन्तोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि फिराक की शायरी आज भी लोगों की जुबान पर है।

अध्यक्षता करते हुये सत्येन्द्रनाथ मतवाला कहा कि 'बहुत पहले से उन कदमों की आहट जान लेते हैं, तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं मौत का भी इलाज हो शायद , जिंदगी का कोई इलाज नहीं' जैसी शायरी को शब्द देने वाले फिराक गोरखपुरी एक शिक्षक के रूप में प्रतिष्ठित रहे। वरिष्ठ कवि डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' और वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि गोरखपुर से ताल्लुक रखने वाले फिराक साबह को शायरी यूं कहें तो विरासत में मिली थी। रघुपति सहाय उर्फ फिराक गोरखपुरी के पिता मुंशी गोरख प्रसाद इबरत यूं तो पेशे से वकील थे, लेकिन शायरी में उनका अच्छा दखल था। फिराक साहब का जन्म 28 अगस्त, 1896 को हुआ था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

संचालन करते हुये वी.के. मिश्र ने कहा कि स्नातक के बाद उनका चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए भी हो गया था। परंतु उस समय देश–प्रेम की भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने सरकारी नौकरी को छोड़ स्वाधीनता संग्राम में कूद पड़े। और जंगे आजादी में पूरी शिद्दत से भाग लेने लगे। ऐसे महान शायर से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

कार्यक्रम में बाबूराम वर्मा, विनय कुमार श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, अजमत अली सिद्दीकी, राहुल, राघवेन्द्र शुक्ल, डा. अफजल हुसेन अफजल ने कहा कि फिराक साहब ने उर्दू साहित्य अपनी एक खास जगह बनाई वे उर्दू के ऐसे महान शायर थे जिन्होंने उर्दू गजल के क्लासिक मिजाज को नई ऊंचाई दी। उन्होंने हर विधा में लिखा। उन्हें भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्मभूषण आदि अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया और अंत में 3 मार्च 1982 उनका निधन हो गया। मुख्य रूप से ओम प्रकाशनाथ मिश्र, परमात्मा प्रसाद निर्दोष, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सामईन फारुकी ओम प्रकाश धर द्विवेदी, राधेश्याम गुप्ता, डा. राजेन्द्र सिंह राही, जगदम्बा प्रसाद भावुक, असद बस्तवी, दीनानाथ, गणेश प्रसाद आदि शामिल रहे।

# बस्ती महोत्सव से वंचित लोक कलाकारों का छलका दर्द

–आवाज भारती संवाददाता–

**बस्ती । बस्ती महोत्सव से वंचित स्थानीय लोक कलाकारों ने शनिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर कहा है कि लोक कलाकारों की उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले दो दशक से लोककला के क्षेत्र में सक्रिय अमरेश पाण्डेय 'अमृत' ने कहा कि प्रशासन ने पत्र देने के बाद भी कुछ नहीं सुना, वे जनपद के कलाकारों को एकत्र कर गोरखपुर जाकर मुख्यमंत्री से एवं लखनऊ में पर्यटन मंत्री से अपना दर्द बयां करेंगे।**

लोक कलाकारों ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि महोत्सव में उन्हें कोई स्थान नहीं दिया गया। निश्चित रूप से यह दुर्भाग्यपूर्ण और चिन्ताजनक है। इससे जनपद के लोक कलाकार इससे क्षुब्ध और अपमानित महसूस कर रहे है। ऐसा लग रहा है कि केवल बजट के समायोजन के लिये कुछ लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से महोत्सव आयोजित किया गया है। उन्होने मामले की जांच कराने की मांग जिलाधिकारी से किया है।

ज्ञापन सौंपने वालों में अमरेश पाण्डेय के साथ धनुषधारी चतुर्वेदी, पंकज गोस्वामी, विक्की, निलेश पाण्डेय, बब्लू आदि लोक कलाकार शामिल रहे।

# पूर्व विधायक दयाराम चौधरी की पहल पर 2 करोड़ 23 लाख की लागत वाली सड़क का निर्माण स्वीकृत

**आवाज भारती संवाददाता–**

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बस्ती सदर के पूर्व विधायक दयाराम चौधरी की पहल पर साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के बस्ती कांटे मार्ग पर कुसम्हा भट्टे से उदयपुरवा होते हुये विगहिया तक दूरी लगभग 3 किलोमीटर को स्वीकृत किया गया है।

पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने यह जानकारी देते हुये बताया कि क्षेत्रीय जनता के आग्रह पर उन्होने उक्त सड़क के निर्माण का आग्रह किया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। बताया कि लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियन्ता ने उन्हें स्वीकृति की जानकारी दी है। बताया कि लगभग 2 करोड़ 23 लाख की लागत से उक्त सड़क का निर्माण शीघ्र शुरू हो जायेगा और क्षेत्रीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी।

उदयपुरवा होते हुये विगहिया तक लगभग 3 किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति होने पर क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। यह जानकारी पूर्व विधायक के मीडिया प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने दी है।

# भाजपा विधायक का पुत्र रिश्वत लेते गिरफ्तार

## –करोड़ों की नकदी बरामद

**बेंगलूर (आभा)। बेटे के 40 लाख रुपये की घूस लेते हुए पकड़े जाने पर कर्नाटक के भाजपा विधायक एम. विरुपक्षप्पा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोकायुक्त की ऐंटी करप्शन विंग के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में भाजपा विधायक को पहला आरोपी बनाया गया है। विरुपक्षप्पा के अफसर बेटे प्रशांत को घूस लेते पकड़े जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था और उसे ऐंटी करप्शन कोर्ट ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घूसकांड के बाद उसके घर पर भी रेड मारी गई थी, जिसमें 6 करोड़ रुपये कैश मिला है। इसके अलावा दफ्तर से भी 1.7 करोड़ रुपये की रकम बरामद की गई थी। चुनावी साल में भाजपा के लिए भी यह केस मुश्किल बढ़ाने वाला है।**

दावणगेरे जिले की चन्नागिरी विधानसभा सीट से विधायक एम. विरुपक्षप्पा राज्य की सरकारी कंपनी कर्नाटक सोप्स ऐंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड के चेयरमैन भी हैं। इसी कंपनी के दफ्तर में उनके बेटे को घूस लेते हुए अरेस्ट किया गया था। इस घूसकांड के चर्चा में आने के बाद ही विरुपक्षप्पा ने शुक्रवार सुबह ही केएसडीएल के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका बेटा बेंगलुरु जल बोर्ज में चीफ अकाउंटेंट के तौर पर काम करता है। विरुपक्षप्पा ने चेयरमैन पद से इस्तीफा तो दे दिया है, लेकिन उन्होंने अपने परिवार के खिलाफ साजिश होने की बात भी कही है।

सीएम बोम्मई को लिखे खत में विरुपक्षप्पा ने कहा, 'मेरे परिवार के खिलाफ कोई साजिश हुई है। मैं नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे रहा हूं क्योंकि मेरे ऊपर यह आरोप लगे हैं।' गुरुवार को कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने विरुपक्षप्पा के बेटे को केएसडीएल के दफ्तर में 40 लाख रुपये की घूस एक कॉन्ट्रैक्टर से लेते हुए अरेस्ट किया था।

# श्री सतगुरु बधाई भवन में संतों ने ठाकुर जी के साथ खेली फूलों की होली

**–आवाज भारती संवाददाता–**

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में वैसे तो बसंत पंचमी से ही होली का रंग चटक होने लगता है लेकिन फागुन शुक्ल पक्ष की रंगभरी एकादशी के तिथि से यह पूरे अपने शबाब पर होता है एकादशी के दिन सुबह अयोध्या के सभी मंदिरों में ठाकुर जी को गुलाल लगाकर के होली उत्सव का शुभारंभ किया जाता है और प्रत्येक मंदिरों में अपने–अपने परंपरा और संस्कृति के अनुसार होली उत्सव मनाया जाता है इसी क्रम में स्वर्गद्वार स्थित श्री सद्गुरु बधाई भवन मंदिर में पीठाधीश्वर महंत राजीवलोचन शरण महाराज के संयोजन में होली उत्सव का शुभारंभ हुआ जिसमें ठाकुर जी को गुलाल लगाया गया सभी उपस्थित संतो महंतों को इत्र लगाया गया और फूलों की होली प्रारंभ हो गई यह अदभुत अलौकिक क्षण देखकर मंदिर परिसर में उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए।

फूलों की होली के साथ होली गीत भी गाए जाने लगे जिसमें होली खेले अवध में रघुवीरा ....... केकरे हाथे कनक पिचकारी केकरे हाथे अबीरा अवध में होली खेले रघुवीरा होली खेले रघुवीरा अवध में होली खेले रघुवीरा जैसे गीतों से पूरा परिसर मंत्र मुक्त हो गया।

# बस्ती महोत्सव में खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं स्थानीय कलाकार

**—आवाज भारती संवाददाता—**

**बस्ती। बस्ती महोत्सव का आगाज आज से स्थानीय अटल बिहारी बाजपेयी स्टेडियम में हो रहा है। महोत्सव के लिए प्रशासन द्वारा चाक–चौबंद व्यवस्था की खबरें आ रही है। महोत्सव को जनता के लिए मुफिद बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे है। बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए प्रशासन से लेकर स्थानीय जिम्मेदारों ने पलक पांवड़े बिछा दिये है।**

बस्ती के स्थानीय लोक कलाकार खुद को ठगा महसूस कर रहे है। महोत्सव समिति द्वारा जारी कार्यक्रम की रूपरेखा में स्थानीय कलाकारों का नाम ही गायब है। स्थानीय कलाकारों का नाम गायब होने और उन्हें तरजीह नहीं मिलने से उनके दिलों का गुबार सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है।

लोक गायिका व टेलीविजन पर अपने प्रस्तुतियां दे चुकी बस्ती की रंजना अग्रहरि ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखते हुए लिखा है की स्थानीय प्रोफेशनल कलाकारों को मौका नहीं देना प्रशासन की बड़ी भूल है। देश विदेश में अपने गायन, वादन एवं नृत्य समेत कवि सम्मेलनों के जरिए नाम करने वाले बस्ती का गौरव स्थापित करने में योगदान दे रहे है। बस्ती महोत्सव एक सांस्कृतिक आयोजन है। उसमें संगीत के किसी भी व्यक्ति को शामिल किये हुए महोत्सव कराना भूल साबित हो रही है।

टेलीविजन से लेकर मंचों तक पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले स्थानीय कलाकारों को अपने ही शहर में बेगाना कर दिये जाने से वो अवाक है। ऐसे में सवाल उठ रहे है की बस्ती की माटी के कलाकारो के साथ आयोजन समिति द्वारा सौतेला व्यवहार क्यों किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा जिस तरह से बाहरी कलाकारों के लिए प्रोटोकाल दिया जा रहा है उससे स्थानीय कलाकारों में रोष देखने को मिल रहा है। उनका कहना है कि अपने ही घर में उनके साथ बेगानों जैसा व्यवहार हो रहा है।

# हाथरस काण्ड के एक आरोपी को आजीवन कारावास, तीन बरी

**—आवाज भारती संवाददाता—**

**हाथरस के बहुचर्चित बिटिया प्रकरण में 900 दिन बाद फैसला आया है। कोर्ट ने एक आरोपी संदीप को आजीवन कारावास की सजा के साथ 40 हजार का जुर्माना लगाया है। इससे पहले कोर्ट ने चारों अभियुक्तों में से एक को दोषी पाया था। शेष तीन आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया था। वहीं, बिटिया पक्ष के अधिवक्ता महीपाल सिंह निमहोत्रा ने कहा कि 14 सितंबर 2020 को हुए हाथरस कांड में एससी–एसटी कोर्ट ने अभियुक्त संदीप को दोषी पाया है।**

लवकुश, रामू और रवि को दोषमुक्त कर दिया है। आरोपी संदीप को आईपीसी की धारा 304 एससी–एसटी एक्ट के लिए दोषी माना है, दुराचार का आरोप सिद्ध नहीं हुआ है। दोषी संदीप ठाकुर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। 40 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

बिटिया पक्ष के वकील महीपाल सिंह निमहोत्रा ने कहा कि न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। सीबीआई ने सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामलों में चार्ज शीट दाखिल की था। अभियुक्त पक्ष के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि मामले में दुष्कर्म और धारा 302 को सिद्ध नहीं कर पाए हैं, एक अभियुक्त को केवल धारा 304 और एससी–एसटी एक्ट में दोषी पाया है। बाकी तीन को बरी कर दिया है। अभियुक्त पक्ष के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंडीर का कहना है कि चौथा आरोपी संदीप भी निर्दोष है। संदीप को बेगुनाह साबित करने के लिए हाई कोर्ट जाएंगे।

यह था मामला

हाथरस के चंदपा इलाके के एक गांव में 14 सितंबर 2020 को अनुसूचित जाति की एक युवती के साथ दरिंदगी हुई थी। गांव के ही चार युवकों ने दुष्कर्म किया था और उसकी गला दबाकर हत्या करने का प्रयास किया था। 29 सितंबर 2020 में युवती ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में दम तोड़ दिया था। पुलिस ने युवती के बयान के आधार पर चारों अभियुक्त संदीप, रवि, रामू व लवकुश को गिरफ्तार कर लिया था।

मामले की विवेचना सीबीआई ने की थी। सीबीआई ने चारों अभियुक्तों संदीप, रवि, रामू व लवकुश के खिलाफ आरोपत्र विशेष न्यायाधीश (एससी–एसटी एक्ट) के न्यायालय में दाखिल किया था। सीबीआई ने आरोप पत्र धारा 302, 376 ए, 376 डी, व एससी–एसीटी एक्ट के तहत दाखिल किया था। सीबीआई ने 67 दिनों तक विवेचना की।

# पूर्वोत्तर में खिला कमल

**नई दिल्ली (आभा)। पूर्वोत्तर के 3 राज्यों के विधानसभा चुनाव में त्रिपुरा और नगालैंड के परिणाम आ चुके हैं। दोनों राज्यों में भाजपा को फिर से बहुमत मिला है। नगालैंड में भाजपा गठबंधन को 37 और त्रिपुरा में 33 सीटें मिली हैं। मेघालय में मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की एनपीपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। एनपीपी के खाते में अभी 25 सीटें आ रही हैं। वोटिंग के बाद एग्जिट पोल्स में त्रिपुरा–नगालैंड में भाजपा गठबंधन को बहुमत का अनुमान था। मेघालय में हंग असेबंली के आसार थे। इस बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ट्वीट करके कहा– मेघायल के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन करके सरकार बनाने के लिए मदद मांगी है।**

त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव में 16 फरवरी को 60 सीटों पर 86.10: मतदान हुआ। यह पिछले चुनाव से 4: कम रहा। 2018 में त्रिपुरा में 59 सीटों पर 90: मतदान हुआ था। बीजेपी 35 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। इसके साथ ही भाजपा ने लेफ्ट के 25 साल के गढ़ को ध्वस्त कर दिया था। पिछले चुनाव में जीत के बाद पार्टी ने बिप्लब देव को सीएम बनाया था, लेकिन मई 2022 में माणिक साहा को मुख्यमंत्री बनाया गया। पार्टी ने साहा के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था।

2023 के चुनाव में भाजपा ने सभी 60, लेफ्ट–कांग्रेस के गठबंधन ने (क्रमशरू 47 और 13 सीटों) पर चुनाव लड़ा। टिपरा मोथा पार्टी ने 42 सीटों पर चुनाव लड़ा। इस तरह राज्य में त्रिकोणीय मुकाबला की उम्मीद है। 2018 के चुनाव में भाजपा को 35, सीपीआईएम को 16 और आईपीएफटी को 7 सीटें मिली थीं। भाजपा ने सरकार बनाई थी।

मेघालय में 27 फरवरी को 60 में से 59 सीटों पर मतदान हुआ। 85.27: वोटिंग हुई। सोहियोंग सीट पर यूडीपी उम्मीदवार एचडीआर लिंगदोह के निधन की वजह से चुनाव टाल दिया गया था। 2018 में 67: वोटिंग हुई थी। इस बार एनपीपी ने 57, कांग्रेस और भाजपा ने 60–60 और टीएमसी ने 56 सीटों पर कैंडिडेट उतारे थे।

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में से दो में भाजपा फिर से वापसी कर रही है। रुझानों में नागालैंड और त्रिपुरा में भाजपा गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। तीन राज्यों के चुनावी नतीजों से साफ हो गया है कि पीएम मोदी का वर्तमान समय में कोई तोड़ नहीं है। सिर्फ हिंदी बेल्ट वाले राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर जैसे देश के हिस्से में भी पीएम मोदी के दम पर भाजपा और उसके गठबंधन की सरकार बन रही है। शाम चार बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, त्रिपुरा में भाजपा गठबंधन 32 सीटों पर आगे चल रहा है, जबकि नागालैंड में गठबंधन को 37 सीटों पर बढ़त हासिल है। भाजपा की जीत के पीछे कई फैक्टर्स माने जा रहे हैं। कुछ सालों पहले तक माना जाता था कि भाजपा सिर्फ हिंदुत्व फैक्टर के सहारे ही चुनावी जीत हासिल कर सकती है, लेकिन पूर्वोत्तर के नतीजों और पिछले कुछ समय में अन्य राज्यों में आए परिणामों को देखकर स्पष्ट हो गया है कि कई और भी वजहें हैं, जिससे लोगों को पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी पर काफी भरोसा है।

# चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश और नेता विपक्ष भी होंगे शामिल

**नई दिल्ली (आभा)।** देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक पैनल का गठन किया जाएगा। इस पैनल में प्रधानमंत्री के अलावा नेता विपक्ष और मुख्य न्यायाधीश भी शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह संसद में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक कानून बनाए। जब तक कानून नहीं बन पाता है, तब तक के लिए यह पैनल ही नियुक्तियां करेगा। जस्टिस केएम जोसेफ ने केस की सुनवाई के दौरान कहा, 'पीएम, नेता विपक्ष और चीफ जस्टिस को मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाले पैनल में शामिल होना चाहिए। नियुक्ति प्रक्रिया के लिए कोई कानून बनने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।'

सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए जाने चाहिए। इसके लिए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कोई विवाद नहीं होना चाहिए और इसी से लोगों का भरोसा कायम होगा। बेंच ने कहा कि लोकतंत्र जनता के मत से ही चलता है ।

# कांग्रेस ने गनेशपुर कस्बे में चलाया 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान

**—आवाज भारती संवाददाता—**

**बस्ती । गुरूवार को राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मंजू पाण्डेय के संयोजन में कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों ने नगर पंचायत गनेशपुर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाकर नागरिकों से सीधा संवाद बनाया।**

पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, देवेन्द्र श्रीवास्तव, बाबूराम सिंह, गिरजेश पाल, रामभवन शुक्ल, सूर्यमणि पाण्डेय, अवधेश सिंह आदि ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान से सम्बंधित पर्चे का नागरिकों में वितरण किया। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस ही देश, प्रदेश में बेहतर सरकार चलाने में सक्षम है। भाजपा के नफरत वाली राजनीति से लोग ऊब चुके हैं और परिवर्तन का मन बना रहे हैं।

नगर पंचायत गनेशपुर के शंकरनगर, सिकटा रोड होते हुये गनेशपुर बाजार में कांग्रेस नेताओं ने लोगों की समस्याओं को सुना और पार्टी के नीति, कार्यक्रम, भारत जोड़ो अभियान के उपलब्धियों से परिचित कराया। कार्यक्रम में आयोजक मंजू पाण्डेय ने कहा कि उनका पूरा प्रयास होगा कि घर–घर जाकर लोगों को कांग्रेस से जोड़ा जाय, इस दिशा में लगातार सम्पर्क का क्रम जारी है।

# गुलरिहा में साले–बहनोई ने भाजपा नेता के नाती को मारी गोली

**संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के झुंगिया पोखरा के पास गुरुवार की दोपहर में बच्चों के विवाद में साले–बहनोई ने बीजेपी नेता के नाती के पर गोलियां बरसा दी। मनबढ़ों की गोली से घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कालेज भर्ती कराया गया है। उसकी पीठ में गोली लगी है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। उधर,ताबड़तोड़ पांच–छह राउंड की फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई है।**

सहजनवा थाना क्षेत्र के पाली निवासी विजय प्रकाश का 17 साल का बेटा तोजू उर्फ विक्की अपने ननिहाल झुंगिया बाजार में रहता है। विक्की के नाना नत्थूलाल बीजेपी के नेता हैं वह पार्षद भी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि गुलरिहा थाना क्षेत्र के बनगाई निवासी श्याम भारद्वाज अपने ससुराल झुंगिया निवासी दिवाकर प्रसाद के यहां आया था। दिवाकर उसका साला है। दिवाकर के यहां किसी का बर्थडे था। बच्चों को लेकर शुरू हुआ विवाद बढ़ों तक पहुंच गया और तोजू और श्याम के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि दिवाकर व अन्य लोगों ने तोजू तथा उसके ननिहाल के लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के मुताबिक उसने पांच से छह राउंड गोलियां चलाई। गोली चलने पर लोग भागने लगे फायरिंग के दौरान ही तोजू उर्फ विक्की के पीठ में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे इलाज के लिए तत्काल बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इस मामले में दिवाकर सहित तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक छह महीने पहले बच्चों के बीच गुल्ली–डंडा को लेकर भी विवाद हुआ था। तब मामला किसी तरह से शांत हुआ था। एसपी नार्थ मनोज कुमार अवस्थी ने बताया कि घायल विक्की का मेडिकल कालेज में इलाज चल रहा है। घायल पक्ष की तहरीर पर केस दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में ले लिया गया है।

# गैंग रेप की सजा काट रहे जुम्मन की बीमारी से मौत

**संवाददाता–गोरखपुर। एक महिला से दुष्कर्म के मामले में दोष सिद्ध पाए जाने पर अपने साथी परवेज परवाज के साथ उम्रकैद की सजा काट रहे जुम्मन की गुरुवार को मेडिकल कालेज में बीमारी से मौत हो गई। 68 वर्षीय महमूद उर्फ जुम्मन पिछले चार साल से जेल में बंद था। वर्ष 2018 में हुई गैंगरेप की घटना में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था और वर्ष 2020 में इस मामले में कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुनाई थी।**

राजघाट थाना के तुर्कमानपुर निवासी महमूद उर्फ जुम्मन (68) के साथ ही परवेज परवाज पर एक महिला ने राजघाट में गैंग रेप का केस दर्ज कराया था। महिला का कहना था कि उसके पति से उसका मनमुटाव चल रहा था इसलिए वह अपने पति को वश में करने के लिए मगहर मस्जिद पर झांडफूंक कराने जाती थी वहां उसकी मुलाकात महमूद उर्फ जुम्मन बाबा से हुई। उसने समस्या पूछी और झाड़फूंक किया। बकौल महिला उसे थोड़ा फायदा हुआ और वह जुम्मन बाबा पर विश्वास करने लगी। 3 जून 2018 को 10.30 बजे महमूद उर्फ जुम्मन बाबा ने महिला को पांडेय हाता स्थित अपने दुकान के पास यह कह कर बुलाया की वहां मस्जिद में तुम्हारे लिए दुआ करूंगा। महिला जब वहां पहुंची तो वहां परवेज–परवाज भी आ गए दोनों ने रिवाल्वर सटा कर महिला को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। मुकदमा दर्ज करने के बाद एसएसपी के आदेश पर महिला थानेदार को विवेचना सौंपी गई थी। पुलिस द्वारा कराए गए चिकित्सकीय परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि हो गई थी। इस बीच कोर्ट में पेश किए जाने पर महिला ने दुष्कर्म का बयान दर्ज कराया था। इसके बाद गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों के जेल में रहने के दौरान ही इसमें फैसला आ गया। कोर्ट ने साक्ष्यों के आधार पर परवेज और जुम्मन को उम्रकैद की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया। जेल अधिकारियों के मुताबिक गुरुवार की सुबह जुम्मन की तबीयत बिगड़ने पर उसे बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। जेल प्रशासन ने जुम्मन के परिवारीजनों को सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम के बाद उन्हें शव सौंप दिया जाएगा।

# शिक्षकों, प्रशिक्षुओं ने पेन्टिंग कार्यशाला में सीखा विविध आयाम

**–आवाज भारती संवाददाता– बस्ती। शनिवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा कला उत्सव के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा तीन दिवसीय वॉल पेंटिंग कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में 40 प्रतिभागियों द्वारा लोक कलाओं, संस्कृति, परंपराओं, नई शिक्षानीति 2020 व निपुण मिशन, जीवन के विविध आयामों से सम्बन्धित विषयों पर वॉल पेंटिंग बनाया गया।**

कलाकृतियों को देखकर डायट प्राचार्य जितेंद्र कुमार गोंड ने बताया कि कला और संस्कृति से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। इसके माध्यम से व्यक्ति में विचारों की अभिव्यक्ति, सृजनात्मकता, रचनात्मकता, कल्पना शक्ति आदि का विकास होता हैं। यह शिक्षण कार्य को रुचिकर एवं आनंददायक बनाता है।

कार्यशाला में परषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का 6 ग्रुप एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं के कई समूहों द्वारा वॉल पेंटिंग का कार्य कर किया गया। गोंड वॉल पेंटिंग ग्रुप की लीडर शशि वरुण ने बताया कि गोंड पेंटिंग लोक और जनजातीय कलाओं में चित्रकला का एक रूप है जो भारत में एक बड़ी जनजातियों में से एक है। गोंड आदिवासी समुदाय की संस्कृति को संरक्षित और संप्रेषित करने के लिए पारंपरिक तरीके से किया जाता है। मधुबनी पेंटिंग के लीडर मरुतिनंदन, रमेश एवं चंद्रशेखर ने बताया कि सुंदर मोर में स्वरों का सुंदर समावेश होता है और सुंदर रंग बच्चो को आकर्षित करता है। निपुण मिशन ग्रुप के लीडर राजपति और राम कमण्डल ने बताया कि हमने निपुण मिशन पेड़ के माध्यम से पढ़ना लिखना की महत्ता को दर्शाया है। अमित कुमार सिंह और चंद्र प्रकाश ने बच्चो के लिए अल्फावेट की रेलगाड़ी का चित्रण किया। सूर्योदय दृश्य के लीडर बृजेश गुप्ता ने बताया कि सूर्योदय का दृश्य मन को अहलादित करते हुए जीवन को नई ऊर्जा से ओतप्रोत कर मन को शक्ति प्रदान करता है। सेव वाटर सेव अर्थ के लीडर अमरेंद्र सिंह ने बताया कि आज के परिवेश में जल संरक्षण को महत्ता को दर्शाया गया है। जो आज का वैश्विक स्तर पर बहुत ही ज्वलंत मुद्दा है।

कला उत्सव कार्यशाला के नोडल डायट कला प्रवक्ता डॉ गोविन्द ने बताया कि डायट परिसर में कला उत्सव की तैयारी जोरों पर है। भित्ति चित्रों पर कला की ऐसी सुंदर चित्रण से कला उत्सव माहौल का सृजन हुआ है। कला के माध्यम से शिक्षको व विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मकता एवं विचारों की अभिव्यक्ति का सुंदर परिचय दिया है। जो भविष्य में भी उनके व्यक्तित्व के विकास में सहायक होंगे।

डायट प्रवक्ता डॉ मृत्युंजय सिंह, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, अजय प्रकाश मौर्य, मो इमरान खान, वंदना चौधरी, डॉ रिचा शुक्ला, कुलदीप चौधरी आदि ने योगदान दिया।

# ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत सिद्धार्थ नगर में लगी गोष्ठी

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ऑपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के महत्वपूर्ण स्थानों को चिह्नांकित कर ग्राम प्रधान के सहयोग से सीसीटीवी कैमरा लगवाये जाने के दृष्टिगत गोष्ठी का आयोजन किया गया।**

गोष्ठी में 250 से अधिक ग्राम प्रधानगण मौजूद रहे। क्षेत्रों, कस्बों में सीसीटीवी कैमरों के लगने से आपराधिक घटनाओं पर अकुंश लगेगा व घटना के अनावरण में सफलता प्राप्त होगी। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन द्वारा चलाये जा रहे अभियान आपरेशन त्रिनेत के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के महत्वपूर्ण तिराहों, चौराहों का चिह्नांकन व ग्राम प्रधान के सहयोग से सीसीटीवी कैमरों के लगाये जाने के लिए एसपी अमित कुमार आनन्द की अध्यक्षता में लोहिया कला भवन सभागार कक्ष में ग्राम प्रधान, सीसीटीवी के वेण्डर्स एवं पुलिसकर्मियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान ग्राम प्रधान, सीसीटीवी के वेण्डर्स एवं पुलिसकर्मियों को ग्रामीण क्षेत्रों के महत्वपूर्ण तिराहों, चौराहों, कस्बों व बाजारों को चिन्हित कर ग्राम प्रधान के सहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगवाये जाने के लिए दिशा निर्देश दिया गया। गोष्ठी में 250 से अधिक ग्राम प्रधान मौजूद रहे। क्षेत्रों, कस्बों में सीसीटीवी कैमरों के लगने से आपराधिक घटनाओं पर अकुंश लगेगा व घटना के अनावरण में सफलता प्राप्त होगी।

# अधिमकारियों से वार्ता विफल, लेखपालों का कार्य बहिष्कार जारी

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा एसडीएम को हटाने समेत 13 सूत्री मांगों को लेकर लेखपाल संघ का इटवा में चल रहा कार्य बहिष्कार पिछले छह दिनों से जारी है। इस दौरान लेखपाल संघ की एसडीएम से लेकर एडीएम तक से वार्ता हो चुकी है लेकिन एक भी वार्ता सफल नहीं हो पाई।**

लेखपालों ने मांगों के पूरा होने तक कार्य बहिष्कार जारी रखने का ऐलान किया है। वहीं लेखपालों के कार्य बहिष्कार से तहसील के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष अजय कुमार गुप्त ने बताया कि अब तक अफसरों से हुई वार्ता सफल नहीं हुई। लेखपाल रतन कुमार के निलंबन वापसी और एसडीएम के स्थानान्तरण सहित अन्य सभी मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

# मैं अयोध्या हूं

—सविता सांकृत्यायन—

## अयोध्या सृष्टि की पहली राजधानी

**मै अयोध्या हूं।** महर्षि बाल्मीकि ने अयोध्या के इस प्रकार कहा है – 'अयोध्या नाम तत्रास्ति नगरी लोक विश्रुता। मनुना मानवेन्द्रेण पुरैव निर्मिता स्वयं । निस्संदेह अयोध्या मृत्यु लोक की अमरावती यानि इंद्र की नगरी सदृश रही। यदि इस भू मण्डल में अमरवती से भी बढ़ कर कोई पुरी रही तो केवल और केवल राम जी की नगरी अयोध्या ही थी। वक्त सभी को उसका वास्तविक रुप दिखाता ही है। दुखद कि आज अयोध्या को टिन टप्पर वाली नगरी के रुप में जाना जाता है। अयोध्या वह नगरी हूं जहां मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने अवतार लिया और समूचे आधुनिक भारत को एकता के सूत्र में बांधा। **पुत्र ना होने से दुखी दशरथ को श्रृगी श्रृषि ने जिस स्थान को शोधा के बाद चुना वह अयोध्या नही बस्ती जनपद का मख धाम रहा। स्वीकार्य है कि कुटिला नदी जहां सरयू से संगम करती है उसके ईशान कोण पर मनोरमा नदी के तट पर पुत्रेष्टि यज्ञ हुआ था।**

**मैं अयोध्या हूं। अवध ही नही 'भूमण्डल की राजधानी के रुप में सबसे पहले महाराजा मनु ने अयोध्या को बसाया था। द्वादश योजन लम्बी और तीन योजन चोड़ी इसका नाम भी *'अयोध्या'* इसी लिये पड़ा कि अयोध्या को युद्ध में कोई जीत ही ना सके। सच तो यह है कि अयोध्या को काई जीत तो नही सका लेकिन समय के साथ धीर-धीरे अयोध्या का वैभव जाता रहा।**

**मैं अयोध्या हू।** अयोध्या के चारो ओर चार द्वार थे। सभी द्वारो का नाम अलग-अलग रखा गया था । अयोध्या के पश्चिमी द्वार से जिसे वैजयंत द्वार माना गया उससे भरत शत्रुघ्न जी के साथ मामा के यहां गये थे औरर उसी द्वार से जब वापस लौटे तो अयोध्या वासियों ने उनका स्वागत ना करके मुंह मोड़ लिया। अयोध्या के लोगो को लगा कि भरत ही राम जी के वन गमन के कारक और जिम्मेदार है। पूर्वी द्वार से राम-लक्ष्मण विश्वामित्र के साथ मिथिला नगरी को गये थे। उत्तरी द्वार पर पावन सलिला सरयू का प्रवाह होने के कारण अयोध्या वासियों के लिये आह्लाद का प्रतीक रहा। दक्षिण का द्वार राम-लक्ष्मण और सीता के वनगमन के कारण विषादमयी स्मृति के रुप में याद किया जाता है। **विदेशी तमाम विद्वानों को अयोध्या समृद्धि और प्राचीनता दिखी किन्तु कुछ तो मनमानी व्याख्या करने लगे लेकिन अयोध्या का कुछ भी बिगाड़ नही सके।**

**मैं अयोध्या हूं।** तमाम विदेशी विद्वानों ने अयोध्या के महत्व को अनुभव किया लेकिन ऐसे भी दुराग्रही विदेशियो ने अयोध्या का संस्कार बिगाड़ने में कोई कोर कसर नही छोड़ा। यद्यपि उन्हें वास्तविकता का भान था कि जब उनके पूर्वज नंगे घूमा करते थे तब अयोध्या की कोई तुलना नही थी और अयोध्या पूर्ण वैभव सम्पन्न थी और सभ्यता तथा आनन्द का डंका बज रहा था। ऐसे दुराग्रही लोगो ने अयोध्या का नुकशान नही किया। स्वयं को धोखा दिया ओर अपने देश के लोगो को वास्तविक तथ्यों की जानकारी से बंचित रखा। **लंदन एवं पेरिस की चाहे कितनी भी सराहना उनके लोग कर ले और अयोध्या के बारे में विपरीत तथ्य प्रस्तुत करे लेकिन वास्तविकता उन्हें भी पता है और वे जानते हैं कि वे जो जान रहे हैं वह सही नहीं गलत तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं।**

(भारती) अगले सप्ताह भी

# नेपाल में गठबंधन की खुलती गांठ

—पुष्परंजन—

**केवल 64 दिन की गठबंधन सरकार। चट ब्याह, पट तलाक। हनीमून मनाने तक का अवसर नहीं मिला। ऐसा राजनीतिक गठबंधन, जिसकी गांठें, सही से बंधी नहीं थीं। ढीली हुई और एक–एक करके खुलती चली गईं। सात पार्टियों के गठबंधन में से तीन पार्टियां बाहर हो चुकी हैं। 14 सांसदों वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने शनिवार को नाता तोड़ लिया था। 19 सभासदों वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने फरवरी के पहले हफ्ते ही प्रचंड को बाय–बाय बोल दिया था। गठबंधान में सबसे बड़ी नेकपा–एमाले के 79 सांसदों के बूते प्रचंड बहुमत सरकार का दम भरते थे, सोमवार को धड़ाम से जमीन पर आ चुके थे। अब उन्हें सत्ता में रहने के वास्ते नेपाली कांग्रेस का सहारा है। गुरुवार शाम को ही तय हो गया था कि ओली से यारी नहीं करनी।**

मंगल–बुधवार तक 16 मंत्री पदों की घोषणा कर देने की योजना बन चुकी है। माओवादी गृहमंत्री का पद अपने पास रखना चाहते हैं। नेपाली कांग्रेस को वित्त और विदेश मंत्रालय चाहिए। मगर, प्रचंड प्रधानमंत्री पद पर कितने दिन रहेंगे? सबसे बड़ा सवाल है। जो नया गठबंधन बना है, उसमें नेपाली कांग्रेस, नेकपा–माओवादी केंद्र, नेकपा (यूनिफाइड सोशलिस्ट), जनता समाज पार्टी, जनमत पार्टी, पीपुल्स फ्रंट नेपाल, लोकतांत्रिक समाज हैं। **आठ पार्टियों के बीच मंत्री पद बांटकर उन्हें संतुष्ट करना कोई मजाक नहीं है। निश्चित मानिये कि मंत्री पद और महत्वपूर्ण मंत्रालय नेपाली कांग्रेस के हिस्से आना है।**

**नेपाल की हालत बद से बदतर–** 275 सदस्यीय नेपाली संसद 'प्रतिनिधिा सभा' में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के कुल जमा 30 सांसद हैं, उनके नेता प्रचंड कब तक कुर्सी से टिके रहेंगे? लाख टके का सवाल है। पांच साल की सत्ता में ओली की नेकपा–एमाले, ढाई साल बाद सत्ता में साझीदारी करे, इतना सब्र कहां था उनके पास? यह भ्रम तो 9 मार्च, 2023 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले टूट गया। 13 मार्च, 2023 तक राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का दूसरा कार्यकाल है। **नेपाली कांग्रेस के राष्ट्रपति प्रत्याशी रामचंद्र पौडेल को प्रचंड का समर्थन मिल रहा था, तभी इसका संकेत मिल गया कि सत्ता के अंतःपुर में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।**

**जो तंय था उसके निकट भी नहीं पहुंच पाये–** तय तो यह हुआ था कि राष्ट्रपति एमाले का होगा, ठीक उसी तरह जैसे विद्या देवी भंडारी नेकपा–एमाले मजबूत स्तंभ की तरह ओली की मददगार रहीं। प्रचंड इस व्यूहरचना को समझ रहे थे कि नेकपा–एमाले का राष्ट्रपति सुबास नेमांग बने तो ओली राजनीति का रिमोट कंट्रोल अपने हाथों से जाने नहीं देंगे। एक जून, 2001 को राजमहल में हत्याकांड के समय यही सुबास नेमांग संसद में स्पीकर थे। राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या समेत 10 लोगों की हत्या की कहानी को स्पीकर नेमांग ने बड़े नाटकीय ढंग से सदन में प्रस्तुत किया था, जिससे उन्होंने राष्ट्रीय शोक को भी हास्य में बदल दिया था। **ऐसे नॉन–सीरियस सुबास नेमांग को नेकपा–एमाले ने मई, 2018 में संसदीय दल का उपनेता बनाया था।**

नये समीकरण से लगता नहीं कि सुबास नेमांग राष्ट्रपति बन पायेंगे। कोई चमत्कार हो जाए तो अलग बात है। संसद के निचले सदन में ओली की नेकपा–एमाले के 79 सांसद हैं। उनसे बड़ी लकीर 89 सांसदों वाली नेपाली कांग्रेस की है। 21 निर्दलीयों को सब लोग मानकर चलते हैं कि ये शाहे वक्त को सलाम करते हैं। नेपाली कांग्रेस और प्रचंड की नेकपा माओवादी वाले नये समीकरण में 'जनमत पार्टी', 'नागरिक उन्मुक्ति पार्टी' और 'जनता समाजवादी पार्टी' के सांसद दिखेंगे।

पिछले गठबंधन में प्रचंड के आगे पेचोखम बहुत सारे थे। राजावादी राप्रपा (राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी) ने शर्त रखी थी कि पौष 27 गते (11 जनवरी) को हिंदू राष्ट्र के संस्थापक गोरखाली राजा पृथ्वी नारायण शाह की जयंती के साथ सार्वजनिक अवकाश घोषित कीजिए, वरना हम आपके साथ नहीं हैं। प्रचंड मान भी गये, मगर परिणाम नकारात्मक ही निकला। नागरिकता की हेराफेरी में दोषी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेता रबि लामिछाने को कोर्ट आदेश से उपप्रधानमंत्री सह–गृहमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दोबारा से नागरिकता मिलने के बाद भी रबि लामिछाने को गृहमंत्री पद न देकर प्रचंड ने संकट को निमंत्रण ही दिया था। पहले राउंड में ही रास्वपा के सभी मंत्रियों ने त्यागपत्र भेज दिया, दूसरा झटका समर्थन वापसी से दे दिया। विगत रविवार को राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के चार मंत्रियों ने प्रचंड को इस्तीफा भेज दिया था, सोमवार को नेकपा–एमाले के आठों मंत्रियों ने पद त्याग की घोषणा कर दी। यों भी, इस गठबंधन को केवल राष्ट्रपति चुनाव तक रोक के रखा गया था। ओली चुनाव तक शांत रहने का निर्देश दे चुके थे, मगर प्रचंड ने सार्वजनिक रूप से यह कह दिया था कि मंत्रियों को हटाने का समय आ चुका है। बिना पोर्टफोलियो का मंत्री बने रहना है, तो एमाले के सांसद शौक से बने रहें। 17 जनवरी, 2023 को डॉ. विमला राई पौड्याल को नेपाल का विदेश मंत्री बनाया गया था। विमला राई पौड्याल को जिनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में जाना था। ऐसा देश में पहली बार हुआ कि विदेश मंत्री एयरपोर्ट जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी पीएमओ से संदेश आता है कि आप दौरा रद्द कर दें। नेकपा–एमाले के लिए यह निहायत शर्मनाक स्थिति थी। जबकि कैबिनेट ने विमला राई पौड्याल के जिनेवा दौरे को अप्रूव किया था। अब जेनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में नेपाली दल का नेतृत्व प्रचंड के 'मानवाधिकार सलाहकार' गोविंद प्रसाद कोइराला करेंगे। नेपाल में जो कुछ महाभारत हुआ है, उससे सबसे बड़ा धक्का कम्युनिस्ट एकता को पहुंचा है। केवल दो नेताओं, प्रचंड और ओली की महत्वाकांक्षा से वामपंथी एकता की बलि चढ़ गई। जब 4 अगस्त, 2016 को खड्ग प्रसाद शर्मा 'ओली' ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। ओली सरकार पार्ट–वन में पांच–पांच उपप्रधानमंत्री थे, फिर भी सत्ता चली गई। **तब ओली ने दिल्ली के विरुद्ध गोली दागते हुए कहा था, 'मेरी सरकार को गिराने के लिए भारत ने माओवादियों, राजावादियों और तराई की पार्टियों का इस्तेमाल किया।'**

## प्राकृतिक खेती के लिये दिया जानकारी

—आवाज भारती संवाददाता—

बस्ती। कृषि विज्ञान केंद्र, द्वारा बस्ती जिले में विकास खंड बस्ती सदर के अंतर्गत सोनूपार स्थल पर प्राकृतिक खेती का विस्तार परियोजना के अंतर्गत "प्राकृतिक खेती पर जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। जिसमें भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. डी. के. सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के वर्तमान में महत्व तथा उपयोगिता के बारे में लोगों को जानकारी दिया। साथ ही साथ अंतर्राष्ट्रीय मोटे अनाज वर्ष 2023 के बारे में बताया।

वैज्ञानिक डा. वी. बी. सिंह, डा. प्रेम शंकर, तथा डा. अंजलि वर्मा ने लोगों को प्राकृतिक खेती के अवयवों को बनाना, उनकी प्रयोग विधि तथा फसल सुरक्षा के उपाय के साथ–साथ मोटे अनाजों की उपयोगिता तथा उनका मूल्यसम्वर्धन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दिया। अन्त में ग्राम पंचायत सोनूपार के ग्राम प्रधान सुनील पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84

साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय

मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com